Test Paper for M.A.4th semester. 25.5.2020
Department of Sociology
J.K.P.P.G.College, Muzaffarnagar

By - Dr. Santosh Kumari
Associate professor & Head

Max.Marks - 20

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 10×1=10

Ques no - 1. भारतीय विद्या अभिगम भारतीय समाज को संपूर्णता में देखने का परिप्रेक्ष्य है। इस कथन की समुचित व्याख्या कीजिए।

अथवा

भारतीय समाजशास्त्र के प्रमुख समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य की व्याख्यात्मक विवेचना कीजिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 5×1=5

Ques no -2 . भारत विद्या अभिगम की उपयोगिता बताइए।

अथवा

समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य क्या है ? संक्षिप्त में बताइए।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। 1×5=5

Ques no - 3. परिप्रेक्ष्य का क्या अर्थ है।

Ques no - 4. "समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य मूल्यों, विश्वासों ,मनोवृतियो एवं अर्थों के लिए प्रयुक्त एक ऐसा तकनीकी शब्द है ,जो कि व्यक्ति की परिस्थिति को देखने हेतु एक रूपरेखा एवं दृष्टिकोण प्रदान करता है।" यह परिभाषा किसकी है?

Ques no - 5. किस भारतीय समाजशास्त्री ने अपने अध्ययन में संरचनात्मक -प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य को अपनाया।

Ques no - 6. "भारत में सामाजिक तनाव" पुस्तक के लेखक का नाम लिखिए।

Ques no - 7. "मॉडर्न इंडियन कल्चर "नामक पुस्तक के लेखक कौन है।

नोट : उपरोक्त प्रश्न पत्र को हल करके दिनांक 26.5. 2020 तक प्रातः 11:00 बजे तक मेरे व्हाट्सएप नंबर पर अनिवार्य रूप से भेज दे।